भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. **3861**

सोमवार, **19** मार्च, 2018/**28** फाल्गुन, 1939 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत जनजातीय और ग्रामीण परिपथ का विकास

3861. श्री विष्णु दयाल रामः

डॉ. उदित राजः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या स्वदेश दर्शन और तीर्थयात्रा पुनरुद्धार और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान **(**प्रसाद) योजना के अंतर्गत पर्यटन परिपथों को प्राथमिक आधार पर विकसित किया जा रहा है**;**

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**;**

(ग) उक्त योजना के अंतर्गत जनजातीय और ग्रामीण परिपथों के विकास हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं**;** और

(घ) इसके अंतर्गत अब तक राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी धनराशि आवंटित और खर्च की गई है**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

(क) से (ख) : जी, हां । पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन - थीम आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास और प्रशाद -तीर्थ स्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान की अपनी योजनाओं के अंतर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय अभिकरणों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है ।

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत पंद्रह थीमेटिक परिपथों नामतः पूर्वोत्तर परिपथ, बौद्ध परिपथ, हिमालयन परिपथ, तटवर्ती परिपथ, कृष्णा परिपथ, मरूस्थल परिपथ, जनजातीय परिपथ, इको परिपथ, वन्यजीव परिपथ, ग्रामीण परिपथ, आध्यात्मिक परिपथ, रामायण परिपथ, विरासत परिपथ, सूफी परिपथ और तीर्थंकर परिपथ की विकास हेतु पहचान की है । उपरोक्त योजना के अंतर्गत मंत्रालय ने अब तक 5638.87 करोड़ रूपए के लिए 67 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं ।

प्रशाद योजना के अंतर्गत विकास के लिए 25 गंतव्यों नामत: अमरावती, श्रीसेलम और तिरूपति (आंध्र प्रदेश), कामाख्या (असम), पटना और गया (बिहार), द्वारका और सोमनाथ (गुजरात), हजरतबल और कटरा (जम्मू और कश्मीर), देवघर (झारखंड), गुरूवयुर (केरल), ओंकारेश्वर (मध्य प्रदेश), त्रियंबकेश्वर (महाराष्ट्र), पुरी (ओडिशा), अमृतसर (पंजाब), अजमेर (राजस्थान), कांचीपुरम और वेलांकनी (तमिलनाडु), वाराणसी, अयोध्या और मथुरा (उत्तर प्रदेश), बद्रीनाथ और केदारनाथ (उत्तराखंड) और बेलूर (पश्चिम बंगाल की पहचान की गई है । पर्यटन मंत्रालय ने उपरोक्त योजना के तहत अब तक 687.92 करोड़ रूपए से 23 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं ।

(ग) से (घ): स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विकास के लिए पहचाने गए पंद्रह परिपथों में ग्रामीण और जनजातीय परिपथ हैं । ग्रामीण और जनजातीय परिपथों के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के ब्यौरे अनुबंध में दिए गए हैं ।

****

अनुबंध

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत जनजातीय और ग्रामीण परिपथ का विकास के संबंध में दिनांक 19.03.2018 के लोक सभा लिखित प्रश्न संख्या 3861 के भाग (ग) से (घ) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण और जनजातीय परिपथ थीम के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के ब्यौरे

(करोड़ रूपए में)

क्र.सं.	राज्य का नाम	परिपथ का नाम और वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि
1.	बिहार	ग्रामीण परिपथ (2017-18)	स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण परिपथ थीम के अंतर्गत बिहार में भितिहरवा- चन्द्रहिया- तुरकौलिया का विकास	44.65	**8.93**
2.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ (2015-16)	जनजातीय परिपथ पेरेन-कोहिमा-वोखा, नागालैंड का विकास	**97.36**	**72.05**
3.	छत्तीसगढ़	जनजातीय परिपथ (2015-16)	छत्तीसगढ़ में जशपुर-कुंकुरी-मैनपत-अंबिकापुर-महेशपुर-रतनपुर-कुरदार-सरोदादादर-गंगरेल-कोंडागांव-नथयानावगांव-जगदलपुर-चित्रकूट-तीर्थगढ़ में जनजातीय पर्यटन परिपथ का विकास	**99.94**	**45.01**
4.	तेलंगाना	जनजातीय परिपथ (2016-17)	तेलंगाना में मुलुगु-लकनावरम-मेदावरम-तडवई-दमारवी-मल्लूर-बोगाथा जलप्रपात का जनजातीय परिपथ के रूप में एकीकृत विकास	84.40	38.37
5.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ (2016-17)	नागालैंड में जनजातीय परिपथ का विकास (मोकोकचुंग-तुएनसांग-मोन)	**99.67**	**49.83**

****